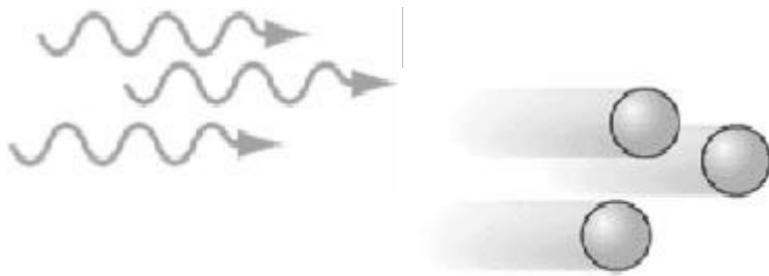


23

प्रकाश विद्युत प्रभाव

उन्नीसवीं सदी के अंत तक प्रकाश विद्युत-चुंबकीय तरंग है यह बात स्थापित हो चली थी। तरंग सिद्धांत की मदद से प्रकाश के परावर्तन, अपवर्तन, व्यतिकरण, विवर्तन जैसे कई गुणों की सटीक व्याख्या हो पाई थी। लेकिन इस सब के बीच प्रकाश-विद्युत प्रभाव की खोज ने वैज्ञानिकों को फिर से परेशान कर दिया। इस गुण की व्याख्या तरंग सिद्धांत से नहीं हो पा रही थी।

आइंस्टाइन, जिन्हें हम आमतौर पर सापेक्षता सिद्धांत के लिए ज्यादा याद करते हैं, उन्होंने इस गुण की व्याख्या की, जिसके लिए उन्हें नोबल पुरस्कार मिला। अंतर्राष्ट्रीय भौतिकी वर्ष के मौके पर अल्बर्ट आइंस्टाइन और प्रकाश विद्युत प्रभाव पर कुछ सामग्री पेश कर रहे हैं इस लेख के मार्फत।



माहवारी में महिलाएं

माहवारी के दौरान महिलाओं पर थोपी गई पार्वदियों के मल में लोग धार्मिक एवं पितृसत्ता से जुड़े पहलू गिनाते हैं। अक्सर लोग मानते हैं कि माहवारी के दौरान स्त्री को स्पर्श नहीं करना चाहिए और इस दौरान महिला द्वारा पौधों को पानी सींचने, पापड़ या अचार बनाने से - पौधे तो मरते ही हैं, साथ ही अचार-पापड़ भी खराब हो जाते हैं। विगत दिनों शिक्षकों के समूह के साथ माहवारी को लेकर की गई चर्चा और पौधों-अचार-पापड़ के साथ किए गए प्रयोगों का विस्तृत व्यौरा पढ़िए इस रपट में।

35

शैक्षणिक संदर्भ

अंक: 3 (51)

इस अंक में—

- | | |
|----|--|
| 4 | आपने लिखा |
| 7 | मंगल ग्रह का भस्मासुर ज्वर
मार्टिन गार्डनर |
| 9 | फैरनहाइट पैमाना इतना बढ़ंगा क्यों?
सुशील जोशी |
| 14 | मेरे हमसफर बनो
पी. के श्रीनिवासन |
| 23 | आइंस्टाइन एवं प्रकाश विद्युत प्रभाव
एस. एस. प्रभु |
| 35 | माहवारी में महिलाएं
रिनचिन |
| 47 | कहानी सुनाकर तो देखो
ब्रेड डेकन एवं टिम मर्फी |
| 59 | नाइट्रोजन - उसकी अक्रियता
उमा सुधीर |
| 71 | वर्षा का चक्र
नीतू मालवीय |
| 76 | महाभारत
सी. एन. सुब्रह्मण्यम एवं पी. के. बसंत |
| 84 | खोया हुआ बच्चा
मुल्कराज आनंद |
| 95 | हंसलता
किशोर पवार |